हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 5 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मरारटोला में फंसे 5 व्यक्तियों का किया गया सफल रेस्क्यू

मण्डला। शुक्रवार को एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव द्वारा जनपद पंचायत बिछिया के मरारटोला में भारी बारिश के कारण 5 लोगों के फंसे होने की सूचना एसडीआरएफ की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही तत्काल एसडीआरएफ की टीम व पुलिस बल आपदा उपकरण के साथ यहां पहुंची। संयुक्त टीम द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए घर की छत पर फंसे 5 व्यक्तियों को सकुशल बाहर निकाला गया। टीम द्वारा बताया गया कि विगत रात्रि से लगातार हो रही बारिश के कारण जल स्तर अत्यधिक बढ़ गया, सुबह चारों तरफ अधिक पानी होने के कारण ये लोग बाहर नहीं आ सके और घर की छत पर बैठे रहे। एसडीआरएफ की टीम ने मोटर बोट से उक्त स्थल पहुंचकर इन लोगों को सकुशल बाहर निकाला। रेस्क्यू किए गए लोगों में बरातीलाल भवरे, सिया बाई भवरे, बिस्सो बाई भवरे, चाँदनी एवं रंजना शामिल है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट सुबह से ही जल भराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। रेस्क्यू टीम में प्रभारी हेमराज परस्ते, राहुल नंदा, हितेश वाजपेयी, गिरानी रजक, जितेन्द्र ठाकुर एवं आकाश ठाकुर शामिल थे।

ग्राम पंचायत मवई के सरपंच पद के उपचुनाव की प्रक्रिया स्थगित

मण्डला। माननीय उच्च न्यायालय म.प्र. जबलपुर द्वारा रिट पिटिशन नंबर 24675 ऑफ 2025 में पारित आदेश 2 जुलाई 2025 द्वारा कमिश्नर जबलपुर संभाग जबलपुर न्यायालय में विचाराधीन याचिकाकार श्री हीरालाल धुर्वे की अपील के निराकरण तक अधिसूचना 26 जून 2025 को निष्प्रभावी रखे जाने के निर्देश दिये गये हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय स्कूल में घुसा पानी, आवागमन को लेकर पहुंच मार्गो में बाधा

जिले भर मूसलाधार बारिश से मची अफरा-तफरी

*** मण्डला-जबलपुर मार्ग पर पहाड़ों से गिरे पत्थर, मार्ग हुआ बंद।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

मंडला जिले में पिछले 24 घंटों में लगभग 100 मिमी बारिश दर्ज की गई है। जिले में भारी बारिश के कारण माहिष्मती घाट का छोटा रपटा डूब गया है। जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। नर्मदा नदी का जल स्तर वॉर्निंग लेबल 437 मीटर पर पहुंच गया है। हालांकि खतरे के निशान 437.8 मीटर से काफी दूर है।

जनपद पंचायत नारायणगंज के रतनपुर चौकी में स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में सुबह 6:00 बजे मूसलाधार बारिश होने के कारण सभी कमरों में 3 फीट पानी घुस जाने के कारण अफरा तफरी मच गई वहां पर विद्यालय में रह रही बच्चों को पास में ही जूनियर आवासीय विद्यालय में शिफ्ट कराया गया एवं कुछ बच्चों को उनके परिजनों को बुलाकर घर पहुंचाया गया ज्ञात होने की एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तहसील में एकमात्र विद्यालय जहां पर सिवनी बालाघाट एवं अन्य जिलों के मेधावी छात्र अपने अध्ययन करने के लिए आते हैं परंतु शासन द्वारा लापरवाही के कारण वर्ष 2022 में एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल खोला गया जहां पर बच्चों की संख्या में 75 बालिकाएं एवं 79 बालक अध्ययन करते हैं जिनके लिए अभी तक कोई भवन नहीं मिला उन्हें जूनियर आवासीय विद्यालय में अध्ययन करना पड़ रहा है एवं बच्चों की संख्या होने के कारण उन्हें अन्य जगह पर बिठाकर पढ़ाया जा रहा है शासन द्वारा 2022 में विद्यालय तो खोला गया परंतु अभी तक उन्हें आवास नहीं मिला जगह-जगह भूमि की तलाश की जा रही है परंतु तीन-चार साल हो गए अभी तक आवास न बनने के कारण बच्चों में अध्ययन करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है प्रिंसिपल मनोज कुमार द्वारा बताया गया कि कल सुबह 6:00 बजे मूसलाधार पानी के कारण पहाड़ियों से आ रहा है पानी जो की भवन स्कूल भवन के पास ही नाल है नाले में इतना पानी होने के कारण स्कूलों में घुस गया जो कि वहां पर रखे सभी सरकारी दस्तावेज एवं बच्चों के उपयोग होने वाली सभी कॉपी पुस्तकों में पानी भर गया सूचना मिलने पर एकलव्य आदर्श विद्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा बच्चों को रहने के लिए व्यवस्था की गई बताया गया है कि अपनी 3 फुट कमरों में भर गया जिससे सभी दस्तावेज एवं कंप्यूटर लैपटॉप एवं लाखों की सामग्री बर्बाद हो गई इस संबंध में मौके पर तहसीलदार एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेश विश्वकर्मा ने जाकर एवं सरपंच मौके पर जानकारी ली एवं बच्चों को बालिकाओं को अन्य जगहों पर पहुंचाया गया चारों तरफ सभी कमरों में कीचड़ एवं दलदल में तब्दील हो गए इसी तरह एकीकृत शाला रतनपुर चौकी नारायणगंज में कक्षा 1 से 8 तक बालक बालिकाएं की कुल संख्या 149 है वहां पर भी सभी कमरों में पानी भर जाने के कारण बच्चों को अध्ययन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहां पर भी प्रधान पाठक उमेश यादव द्वारा बताया गया कि मूसलाधार पानी गिरने के कारण नाले के पास पानी का तूफान आने से सभी कमरों में सभी स्कूलों में पानी 3 फीट ऊपर घुस गया जिससे सभी स्कूली दस्तावेज खराब हो गए मौके में तहसीलदार नारायणगंज शिक्षा अधिकारी राजेश विश्वकर्मा रतनपुर चौकी के सरपंच एवं एकलव्य आदर्श आवासी स्कूल के सभी स्टाफ मौजूद थे एवं एकीकृत साल के सभी स्टाफ के सहयोग से सभी बच्चों को अन्य जगहों पर पहुंचाया गया एवं सभी ने मांग की है कि तत्काल भवन का निर्माण कराया जाए जिससे बच्चों में जो परेशानी का सामना करना पड़ रहा है उन्हें अच्छी व्यवस्था दी जाए।

मूसलाधार पानी से नारायणगंज के आसपास के सभी मार्ग बंद

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत क्षेत्र में नारायणगंज से चुटका मार्ग में जगह-जगह पुल के ऊपर पानी आने से एव टिकरिया से चुटका तक जो मार्ग बना ना था वह मार्ग न बनने के कारण पूरी सड़क दलदल में तब्दील हो गई जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है एवं गाड़ियां भी नहीं जा पा रही हैं नारायणगंज से बबलिया मार्ग में बालाई नदी के किनारे में पुल जो बना था उसके कुछ हिस्सा वह जाने कारण आवागम बंद हो गया लगातार पानी गिरने से आसपास के कई इलाकों में जल मग्न जैसी स्थिति हो गई लोगों के घरों में पानी घुस गया जिससे उनके खाद्यान्न सामग्री खराब हो गई चारों तरफ पानी ही पानी हो गया सलैया ग्राम पंचायत के पास 13 मवेशी बह जाने से खबर आ रही है कूड़ा मैली से सलैया शाह पंचायत में जगह-जगह पल के ऊपर पानी होने के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नारायणगंज से मंडला मार्ग के बीच में जहां पर पहाड़ों को खोज कर रोड बनाई गई है वहां पर ऊपर से पत्थर बीच रोड में आकर बीच गए हैं जिससे आवागमन रुक रहा है।

12 दुकानदारों/हाथठेले वालों पर 34 पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही

मण्डला। एसडीओपी मंडला के निर्देशन में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शफीक़ खान एवं थाना यातायात प्रभारी ललित धुर्वे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र एवं उदयचौक चौक क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा बस स्टैंड में चैकिंग के दौरान रेड कार्यवाही भी की गई जिसमें 4 व्यक्तियों को मौके पर पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 04 पृथक पृथक अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है। वहीं नागरिकों की सुरक्षा एवं ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस मंडला द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत अव्यवस्थित ढंग से दुकान लगाने, यातायात में बाधा उत्पन्न करने एवं सार्वजनिक स्थल पर गंदगी फैलाने जैसे कृत्यों में संलिप्त 12 दुकानदारों/हाथठेले वालों के विरुद्ध धारा 34 पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में थाना कोतवाली, थाना यातायात, पुलिस लाईन का बल शामिल रहा।

अब तक कोई पता नहीं चला बाढ़ में बहे व्यक्ति का

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

लगातार हो रही बारिश और आने वाले 24 घंटे में भारी बारिश के संकेत मौसम विभाग ने दिए हैं क्षेत्र के सभी नदी नाले उफान पर हैं बिछिया का खुलार नाला भी उफान पर है विगत दिनों नाले बहे गणेश टेकाम का अब तक कोई पता नहीं चला है, पुलिस और एसडीआरएफ की टीम के साथ-साथ मंडला के कमांडेंट के द्वारा भी भरपूर प्रयास किया गया पुलिस का कहना है कि पानी की अधिकता के कारण कहीं कुछ पता नहीं चल पा रहा है और लगातार वर्षा का दौरा चालू है आने वाली 24 घंटे में भी भारी वर्षा के संकेत ऐसी स्थिति में एक दिन पूर्व बा ड में वहे व्यक्ति का अब तक कोई पता ना लग पाना आश्चर्यजनक घटना है बिछिया घुघरी मार्ग के पुल पुलिया आज भी बाढ़ ग्रस्त है।

इसके अलावा भी बिछिया के कई क्षेत्र जैसे वार्ड नंबर 15 नए टोला, वार्ड नंबर 12, वार्ड नंबर 13, 14, वार्ड नंबर 01 आदि जगह जलभराव जैसी स्थिति बनती है और बाढ़ के हालात उत्पन्न हो जाते हैं बावजूद इसके आज दिनांक तक कोई भी उचित प्रयास नहीं किए गए हैं जिनसे समस्याओं का निपटान हो सके।

भारी वर्षा की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने किया विद्यालयों में अवकाश घोषित

मण्डला। जिले में भारी वर्षा की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने विद्यार्थियों को होने वाली परेशानियों, जोखिम एवं छात्रहित में 5 जुलाई शनिवार को समस्त शासकीय एवं अशासकीय (मध्यप्रदेश शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एवं सीबीएससी बोर्ड) शैक्षिक संस्थाओं के लिए सामान्य अवकाश घोषित किया है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो पाए। अवकाश के कारण बाधित शैक्षिक पाठ्यक्रम की पूर्ति अन्य कार्यदिवसों में अतिरिक्त कालखंड लगाकर की जाएगी।

ग्राम पंचायत मवई के सरंपच पद के उपचुनाव की प्रक्रिया स्थगित

मण्डला। माननीय उच्च न्यायालय मण्प्रण जबलपुर द्वारा रिट पिटिशन नंबर 24675 ऑफ 2025 में पारित आदेश 2 जुलाई 2025 द्वारा कमिश्नर जबलपुर संभाग जबलपुर न्यायालय में विचाराधीन याचिकाकार श्री हीरालाल धुर्वे की अपील के निराकरण तक अधिसूचना 26 जून 2025 को निष्प्रभावी रखे जाने के निर्देश दिये गये हैं। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में ग्राम पंचायत मवई के सरंपच पद के उपचुनाव की प्रक्रिया को तत्काल स्थगित किया गया है।

सम्मान | **जिला योजना भवन में मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान समारोह।**

प्रतिभावान विद्यार्थियों को लेपटॉप राशि की गई वितरित

*** 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को मिल लाभ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत कक्षा 12वी के मेधावी छात्र-छात्राओं को जिला योजना भवन में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट सहित अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लैपटॉप राशि के चैक वितरित किए। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते भी वीसी के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। विदित है कि जिले में कक्षा बारहवी में 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले 1141 विद्यार्थियों को प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लेपटॉप क्रय करने के लिए यह राशि प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा भोपाल कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसका लाईव प्रसारण जिला योजना भवन में मौजूद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों द्वारा देखा व सुना गया। वीसी के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद कुलस्ते ने सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों, शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस अभिनव पहल की शुरूआत की गई है। मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान आज किया जा रहा है। मंडला जिले के एक हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के माध्यम से लेपटॉप राशि वितरित की जा रही है। इस उपलब्धि के लिए जिला प्रशासन को भी बधाई प्रेषित की। उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षकों की लगन एवं मेहनत और विद्यार्थियों के अनुशासन के बदौलत यह उपलब्धि हासिल हुई है इसे इसी तरह बरकरार रखा जाए।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। इस कड़ी में विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश, किताबें, साईकिल प्रदान की जा रही है। साथ ही स्कूटी योजना एवं सुपर 100 योजना के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को बेहतर स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। कक्षा बारहवी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आज लेपटॉप प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि इसका उपयोग सकारात्मक सोच के साथ अपने कैरियर को बेहतर बनाने के लिए करें। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष मंडला विनोद कछवाहा, जयदत्त झा, संदीप सिंगौर ने भी संबोधित कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में सांकेतिक रूप से श्रेया पटेल, सोनम पाठक, दीपाली यादव, आशुतोष वंदेवार, रूपल यादव को लेपटॉप राशि का चैक प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, एसी ट्राईबल श्रीमती वंदना गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर सीएल वर्मा सहित अन्य अधिकारी, विद्यार्थी मौजूद थे। कार्यक्रम का आभार जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट ने किया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय द्वारा किया गया।

उत्कृष्ट विद्यालय मण्डला में गणित विषय के (वर्ग-2) आठ शिक्षक कर रहे कार्य

*** स्वीकृत पद सिर्फ तीनः पदस्थापना में भारी गड़बड़ी का आरोप।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकंडरी स्कूल में गणित विषय में आठ शिक्षकों की पदस्थापना ने जिले के शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, विद्यालय में गणित विषय के लिए स्वीकृत पद केवल तीन हैं, बावजूद इसके यहाँ आठ शिक्षक कार्यरत हैं।

इस तरह एक ही विषय में आवश्यकता से अधिक शिक्षकों की तैनाती न केवल विभागीय लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि यह शिक्षकों की असमान और अनावश्यक पदस्थापना को भी उजागर करता है। यदि यही शिक्षक जिले के उन विद्यालयों में पदस्थ किए जाते जहाँ शिक्षक नहीं हैं, तो वहाँ की शिक्षा व्यवस्था को काफी हद तक सुधारा जा सकता था।

स्पष्ट आदेश के बावजूद उल्टी चाल

कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य, भोपाल द्वारा 10 दिसंबर 2024 को जारी आदेश (क्रमांक/स्था. 4/टी (27)/2024/23422) में स्पष्ट रूप से सभी कलेक्टरों, संभागीय उपायुक्तों, सहायक आयुक्तों एवं जिला संयोजकों को निर्देशित किया गया था कि विभागीय कर्मचारी, अधिकारी एवं शिक्षक संवर्ग का संलग्नीकरण या स्थानांतरण बिना सक्षम अनुमोदन के न किया जाए। बावजूद इसके, विभाग के ही कुछ आला अधिकारियों द्वारा इस आदेश की अनदेखी करते हुए मनमानी पदस्थापनाएं की गई हैं।

संलग्नीकरण और स्थानांतरण पर सवाल

उत्कृष्ट विद्यालय में वर्तमान में पदस्थ गणित शिक्षकों में से कई का स्थानांतरण अथवा संलग्नीकरण बताया जा रहा है। विभागीय नियमों के अनुसार, उत्कृष्ट विद्यालयों में केवल विशेष रूप से चयनित शिक्षकों की ही पदस्थापना होनी चाहिए। यदि ऐसा है, तो सवाल उठता है कि क्या सभी आठ शिक्षक चयनित हैं या फिर नियमों को दरकिनार कर उन्हें यहाँ तैनात किया गया है?

वर्तमान में पदस्थ गणित शिक्षक (वर्ग-2)

आशीष बाजपेयी, मुकेश चौरसिया सुजाता शर्मा, बी. के. चौरसिया, शैलेश जायसवाल (वर्चुअल क्लास नोडल अधिकारी, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के आदेश से संलग्न) ज्योति मिश्रा, दिलेन्द्र सिंगोर, संजय कुमार धनगर (अतिशेष)।

घटिया योजना से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित

इस पदस्थापना के चलते जिले के अन्य कई स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी बनी हुई है, जहाँ अतिथि शिक्षकों के सहारे पढ़ाई कराई जा रही है। यह स्थिति न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है, बल्कि शासन पर भी आर्थिक बोझ डाल रही है। विभागीय पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज किए जाने की भी शिकायतें सामने आ रही हैं।

अब यह जरूरी हो गया है कि जिला प्रशासन इस मामले की निष्पक्ष जांच कराए और यह पता लगाए कि आखिर इतने शिक्षक एक ही विषय में, एक ही स्कूल में कैसे पदस्थ हो गए। यदि यह संलग्नीकरण/स्थानांतरण आदेश के विरुद्ध हैं तो संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होना आवश्यक है।

खबर संक्षेप

सोसाईटी का माल बिक रहा किराना दुकानों पर बिचौलिया हो रहे मालामाल

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शासन द्वारा गरीबी रेखा एवं अति गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले लोगों के लिये सेवा सहकारी समितियों से सस्ता अनाज उलब्ध कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो इस योजना में शामिल हितग्राहियों को शासन द्वारा एक रूपया किलों गेंहू व चांवल हर माह प्रदान किये जा रहे है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस प्रकार से खाद्यान्य वितरण केन्द्रो के ठीक सामने कुछ बिचुलियाँ नुमा लोगों द्वारा अपनी अनाज खरीदने की दुकान लगाते हुये उन गरीबों को प्रलोभन देते हुये उनका माल सस्ते दामों में खरीदते हुये उसे बाजार में महंगा बेचते हुये मालामाल होने से नही चूक पा रहे है? इस प्रकार से खाद्यान्य वितरण केन्द्रो के सामने संचालित होने वाले अनाज खरीदी करने वाले दुकानों की सच्चाई से प्रशासनिक अधिकारी भी अनजान नही है। मगर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही होने के कारण उनके हौसले लगतार बुलंद होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है, जिसके चलते गरीबों को शासकीय दुकानों से मिलने वाले अनाज पर इस प्रकार से बिचुलियाँनुमा लोग अपनी दृष्टि जमाये हुये मालामाल होते हुये दिखाई दे रहे है।

वृद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राहियों के मशीन में फिंगर नहीं आने से हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा अनेक योजनायें चलाकर वृद्धों एवं गरीबों का भला करने की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्ध महिलाओं व पुरूषों की हालत दिन पर दिन दयनीय व पीड़ा दायक होती जा रही है। यह बात अलग है कि इस हेतु शासन ने वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की थी मगर शासन की इस योजना को पंचायत में बैठे कर्णधारों द्वारा शासन के नियमों को अनदेखा कर पात्रजनों को इसका लाभ ना देकर अपात्रों को दिया जा रहा है और इसी प्रकार शासन की कई अन्य योजनायें भाई-भतीजावाद की शिकार हो रही हैं जिसके कारण आज इन वृद्धों को शासन की अनेक योजनायें चलने के बाद भी भूखों रहने की नौबत आ रही है। शासन द्वारा वृद्धों के लिये वृद्धावस्था सुरक्षा पेंशन का फार्म निकालकर यह नियम लागू किया गया था। मगर इस योजना का लाभ अनेक निःसहाय वृद्धों को नहीं मिल पा रहा है? आम जन का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा इन वृद्धों के आवेदनों को बिना देखे ही निरस्त कर दिया जाता हैं, विधवा महिलाओं की भी स्थिति अत्यंत दयनीय रहती है। देखने में आता है कि उन्हें भी शासन की योजनाओं से कोई फायदा नहीं मिल पाता है। क्षेत्र में अनेक विधवा महिलायें हैं जो परेशानियों के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं जिनका भला करने के उद्देश्य से शासन ने इस प्रकार की योजनायें शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन द्वारा चलाई जा रही इस प्रकार की अनेक योजनाओं के बारे में पंचायत स्तर पर बैठे कुछ अधिकारी भाई-भतीजावाद की भेंट चढ़ाकर उन्हें पूरा कर देते हैं और पात्र हितग्राहियों को उनसे वंचित कर दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि नगर परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा इन योजनाओं की राशि अनेकों माह तक बैंकों में ही पड़ी रहती हैं और हितग्राही इस राशि को पाने के लिये भटकते रहते हैं। क्योंकि शासन की योजना के तहत इन वृद्धों की पेंशन राशि का भुगतान के लिये उनके खाते आधार से लिंग किये गये है। मगर अनेक वृद्धजनों के अब भुगतान मशीन में फिंगर सही रूप से नही आने के कारण पेंशन राशि के भुगतान से बंचित हो रहे है। इस प्रकार से वृद्धजनों की बीते हुये कई महिनों से पेंशन राशि बैक खातों में ही पड़ी है और उसका हितग्राही कोई लाभ नही ले पा रहे है।

निजी फाइनेंस कंपनियों ने गांव गांव फैलाया अपना गोरखधंधा, ग्रामीणों को गुमराह करते हुये किया जा रहा आर्थिक शोषण

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। कुछ दिनों तक रोक लगने के बाद अब फिर क्षेत्र के गॉवों मे ऐसी निजी फाइनेंस कम्पनियों से जुड़े हाईटेक युवकों की रेडी उतर आयी है जो छोटे धंधों की शुरूआत के लिए ग्रामीण महिलाओं को ऋण देने का आश्वासन देकर अपने प्रलोभन के जाल मे गॉवों की भोली भाली अशिक्षित महिलाओं को फॅसाकर बड़े मीठे अंदाज मे उनका आर्थिक शोषण कर रहे है,हासिल जानकारी के अनुसार क्षेत्र के आसपास अनेक गांवों मे लम्बे समय से एक तथा कथित फाइनेंस कम्पनी से सम्बंधित कुछ युवक गॉव की महिलाओं को आत्मनिर्भरता का पाठ सिखाते हुए उन्हे ठगने की लगातार कोशिश कर रहे है?

मानसून की मेहरबानी के चलते किसानों के चेहरों पर देखने मिल रही खुशी की झलक, धान रोपने की तैयारियों में जुटा हुआ देखा जा रहा है क्षेत्र का अन्नदाता

प्रकृति की इसी तरह मेहरबानी बनी रही तो बिगड़ी स्थिति में सुधार लाने में सफल हो जावेगा माटी पुत्र..

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

जहां एक ओर बीते हुये कुछ वर्षो से क्षेत्र का किसान प्रकृति की मार झेलते हुये किसी भी प्रकार से अपनी खेती को लाभ का धंधा बनाने में जुटा हुआ देखा जा रहा है। मगर देखा जा रहा था कि प्रकृति जिस तरह धोखा दे रही थी उसके चलते माटी पुत्र को टूटते हुये देखा जाने लगा था। क्योंकि जहां एक ओर क्षेत्र का अन्नदाता प्रकृति की मार झेल रहा है तो दूसरी ओर सरकार भी उनके भरोसे पर जिस तरह चोट दे देती है उसके चलते किसानों की आंखों में आंसू आने से नही चूक पाते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस वर्ष भी देखने मिल चुकी है। क्योंकि हर साल जिस तरह किसानों द्वारा गर्मी के दिनों में पैदा करने वाले मूंग फसल को सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदते हुये किसानों की मदद की जा रही थी। उसी के चलते इस वर्ष भी किसानों को पूरा भरोसा था कि सरकार द्वारा उनकी मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदा जावेगा। इसी सोच के चलते क्षेत्र में गर्मी मूंग के रकवा में इजाफा हुआ था और जब किसानों की मूंग फसल कटकर तैयार हुई तो सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग फसल को खरीदने के लिये किसी तरह की कोई प्रक्रिया शुरू नही किये जाने के कारण जहां किसान टूटते हुये नजर आने से नही चूक रहा था। वही दूसरी ओर जिन किसानों ने अपने अपने क्षेत्र के जम्मेदारों पर भरोसा करते हुये दिल्ली तक पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी वही किसानों के हम दर्दो द्वारा जिस तरह मूंग फसल को जहरीला बताते हुये बाजार में विक्रय करने की बात कहते हुये जो सोशल मीडिया पर विडियों वायरल होते हुये देखे जा रहे थें। इस सच्चाई से निश्चित तौर से अन्नदाता की आंखों में आंसू आने से नही चूक पा रहे थें। मगर कहा जाता है कि जब किसान अपनी पर आ जाता है तो सरकारों को झुकने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इसी प्रकार से देर सबेरे सरकार को किसानों की मूंग फसल खरीदने की घोषणा की गई जब तक अनेक छोटे किसान अपनी मूंग फसल को ओने पोने दामों में विक्रय कर चुके थें। मगर तरह मूंग फसल से घाटा खाने के बाद किसानों द्वारा अब अपनी धान फसल की तैयारियों में इस तरह जुटा हुआ देखा जा रहा है कि किसान अपने खेतों में धान फसल रोपने यदि प्रकृति ने उनका साथ दिया तो वह मूंग की भर पाई धान फसल से कर लेगें। क्योंकि शुरूआती तौर पर प्रकृति जिस प्रकार से अन्नदाता का साथ देते हुये देखी जा रही है उसके चलते माटी पुत्रों के चेहरों पर मुस्कान झलते हुये वह अपने खेतों में धान फसल को लगाने की तेयारियों में जुटा हुआ देखा जा रहा है। बीते हुये लगभग एक सप्ताह से मानसून पूर्णरूप से किसानों को अपना आर्शीवाद प्रदान करते हुये देखे जा रहे है। इसी के चलते जहां किसानों के खेत बारिश के पानी से भर जाने के चलते किसान अपने खेतों में धान फसल रोपने के लिये जहां उनको मचाते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर अनेक किसानों द्वारा अपने खेतों में धान रोपने की शुरूआत भी कर दी गई है। इस स्थिति में निश्चित ही मजदूरों के भाव सातवे आसमान में पहुंचते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इस प्रकार से मजदूरों की खोजबीन के लिये किसान जहां एक गांव से दूसरे गांव पहुंचकर मजदूरों को मुंह मांगी कीमत देते हुये अपनी धान फसल की रोपाई के लिये राजी करते हुये देखे जा रहे है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि जब रात दिन एक करते हुय किसान अपने खेतों में फसल पैदा करने के बाद उसे बेचने की नौबत आती है तो किसानों को उसकी लागत के अनुसार भी मूल्य नही मिलने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान लगातार टूटते हुये दिखाई पड़ रहा है..? इस प्रकार की सच्चाई गन्ना सीजन से लेकर अन्य फसलों की विक्री के समय भी देखने मिलने से नही चूक पाती है। वही दूसरी ओर जब किसानों को अपने खेतों में फसल बोनी की तैयारी की जाती है उस समय भी किसानों को जरूरत के हिसाब से खाद बीज समय पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही होने के कारण लम्बी लाईनों में धक्के खाने के लिये मजबूर होना पड़ता है। मगर इसके बाद भी किसी भी प्रकार से क्षेत्र का किसान खेती के धंधे को लाभ की ओर ले जाने की सोच के चलते आगे की ओर बढ़ने का प्रयास करता है तो मौसम साथ देना छोड़ देता है जिसके चलते किसानों की आंखों में आंसू आने से नली चूकते है। मगर अभी तक जिस प्रकार प्रकृति व मानसून किसानों का साथ देते हुये दिखाई दे रहा है और यदि इसी प्रकार से मौसम मेहरवान बना रहा तो निश्चित ही किसानों की खुशियों में चार चांद लगने से नही चूक पायेगे।

लगातार हो रही बारिश के बीच गांवों में कच्चे मकानों को सुधारने में जुटे हुये ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज/ कौड़िया।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना चलाते हुये गरीबों को पक्के मकान बनाकर दिये जा रहे है। मगर यदि इस योजना की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो इस योजना में हो रहे फर्जीवाडे के चलते जहां इसके वास्तविक हकदार जहां लाभ लेने के लिये चक्कर काटते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर अनेक प्रभावशाली लोग जिनके पहले से ही पक्के मकान होने के साथ साथ हवेली बनी हुई है और वह अधिकारियों की कृपा दृष्टि के चलते अपात्र होते हुये भी इस योजना का लाभ लेते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति में यदि ग्रामीण क्षेत्रों का रूख किया जावे तो अनेक गरीब इस तरह से मिल सकते है जो इस योजना के सही हकदार होने के बाद भी वह अपने परिवार के साथ कच्चे मकानों में रहने के लिये मजबूर है..? जब बारिश का मौसम आता है तो वह अपने खपरेल मकानों के खपरे सुधारते हुये देखे जाते है तो दूसरी ओर खपरों की अभाव में अपने कच्चें मकानों पर पन्नी लगाकर बारिश से वचाच में जुटे हुये देखे जाते है। इसी के चलते इस समय चल रहे बारिश के दौर में जहां बाजारों में त्रिपाल पन्नी की विक्री में इजाफा हो गया है तो दूसरी ओर अनेक गांवों में टूटे हुये खपरों को सुधारवाने के लिये मजदूरों को खोजते हुये देखे जा रहे है। मगर देशी खपरों के मकानों को सुधारने की कला यह किसी में नही होती है। क्योंकि घर के छप्पर के ऊपर चढ़कर खपरे छाने वाले मिस्त्री गांवों में सिर्फ पुराने बुजुर्ग ही जानते है। इस हाल में अब गरीबों के कच्चे मकानों के खपरे सुधारने के लिये जहां मिस्त्री नही मिल पा रहे है तो दूसरी ओर केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रही गफलतबाजी के चलते गरीबों के पक्के आवास भी नही बन पा रहे है..?

पुलिस अधीक्षक द्वारा अचानक चीचली थाने में पहुंचकर किया निरीक्षण, दिये जरूरी दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

जब जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा अपने अधीस्थ कार्यालयों में अचानक पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं पर पैनी नजर रखी जाती है तो अधिकारियों व कर्मचारियों में अपने दायित्वों का सही रूप से निर्वाहन करने में निष्ठा बनी रहती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमति मृखागी डेका में देखने मिल रही है। जो कभी भी अचानक पुलिस थानों में पहुंचकर वहां की सच्चाई का अपने आंखों से देखने में पीछे नही रह रही है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस जिला पुलिलस अधीक्षक अचानक चीचली पुलिस थाने पहुंची तो यहां पर मौजूद अधिकारी व कर्मचारियों के बीच सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया था। बताया जाता है कि जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा बीते हुये गुरूवार को स्थानीय पुलिस थाने का आकास्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके द्वारा थाने के रिकार्ड, रजिस्टर, लंबित शिकायत रजिस्टर एवं हवालात को चैक किया गया। वही थाने के रख रखाव एवं रिकार्ड के संधारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारी एवं कर्मचारियों की समस्याओं को सुना गया। इस दौरान जिले के कप्तान द्वारा निर्देश दिए गए कि नवीन कानून के तहत ऑनलाईन प्रक्रिया को सुदृढ बनाया जावे साथ ही लंबित अपराध, चालान, मर्ग, गुम इंसान एवं शिकायत पत्रों का त्वरित निराकरण किया जावे। इसके साथ ही निर्देश दिए गए कि ऐसे स्थानों को चिन्हित करे जिन स्थानों पर विभिन्न अपराधों की घटनाएं अधिक होती है तथा उन स्थानों पर निरंतर पुलिस की उपस्थिति सुनिश्चित करे साथ ही थाना प्रभारी स्वयं भी सुबह/शाम उक्त चिन्हित स्थानों पर भ्रमण करे। वही क्षेत्र में घूमने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जावे। क्षेत्र में अवैध शराब, सट्टा, जुआ जैसे अपराधों पर पूर्णतः अंकुश लगाया जाना सुनिश्चित करें एवं कारगर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जावे। इसी के साथ-साथ आदतन अपराधियों पर कारगर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने के लिये भी आदेशित किया गया। वही दूसरी ओर क्षेत्र के गुण्डा वदमाश, आदतन अपराधी, निगरानी वदमाश एवं जेल रिहाई की निरंतर चैकिंग की जावे। घटनाओं में शामिल थाना प्रागंण में रखे गए जप्त शुदा वाहनों को व्यवस्थित एक तरफ रखने एवं उनके निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की जावे एवं थाना परिसर में आवासीय भवन के सामने बच्चों के खेलकूद एवं कसरत हेतु उपकरण लगाए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए गए।

नगर के सांदीपनि विद्यालय में हुआ लैपटॉप राशि वितरण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रदेश की राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सांदीपनि विद्यालय साईंखेड़ा में दिखाया गया। राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह की उपस्थिति में प्रतिभशाली बच्चों को लैपटॉप की राशि वितरित की गई।

इसके अंतर्गत विकास खंड स्तर पर आयोजित लैपटॉप राशि वितरण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विभिन्न समाजसेवियों की उपस्थिति के बीच एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस दौरान प्रतीकात्मक रूप से विद्यार्थियों को चेक वितरित किये गए। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती पूजन और वंदना से हुआ। इसके उपरांत उपस्थित जनों का स्वागत संस्था प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा और भानु प्रताप राजपूत द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे ने स्वागत अभिभाषण में पालकों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि विद्यार्थी ठान ले तो वह सबकुछ हासिल कर सकता है। कार्यक्रम को सचिन अग्रवाल, कीरत सिंह पटेल, दिग्विजय सिंह राजपूत, आरती राजपूत एवं गौरीशंकर खेमरिया ने संबोधित किया। अपने प्रतिवेदन में चंद्रकांत विश्वकर्मा ने बताया कि संस्था के 23% विद्यार्थियों को लैपटॉप प्राप्त हुए हैं। शासन द्वारा संस्था के टॉपर बच्चों को स्कूटी भी प्रदाय की जाएगी। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों और शिक्षकों को देते हुए सांदीपनि विद्यालय का धन्यवाद ज्ञापित किया। वही प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा इस अवसर पर दिए गए प्रेरणादायक उद्बोधन का सीधा प्रसारण सभी उपस्थित जनों ने देखा। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षक मनीष शंकर तिवारी ने बताया कि सामाजिक विज्ञान विषय का परिणाम शत प्रतिशत तो रहा ही है एक विद्यार्थी ने सौ में सौ अंक भी प्राप्त किये हैं। कार्यक्रम के अंत मे बी आर सी संदीप स्थापक द्वारा संस्था में पधारे हुये सभी अतिथियों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर कमल सोनी, खेमचंद रावत, धर्मेंद्र पटेल, मानसिंह मिर्धा, शिवांश दुबे, दुर्गेश अवधिया एवं संस्था के सभी शिक्षक वरिष्ठ प्राचार्य प्रतुल इंदुरख्या सहित अर्चना तिवारी, ओम जी कौरव, भागीरथ प्रसाद, भैयाराम अहिरवार, विष्णु सिंघानिया, सुधीर प्रजापति, ब्रजबाला मालवीय, कीर्ति चौबे, प्रियंका विश्वकर्मा, मनोहर पटेल, लालसिंह, अखिलेश मेहरा, रूपसिंह कुशवाहा, आनंद राजपूत, ऋषव मेहरा सहित छात्र छात्राये मौजूद थें।

लगातार बारिश के चलते छोटे नदी नाले ऊफान पर एक गांव से दूसरे गांव पहुंचना हो रहा मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/भौरझिर।

इस समय बीते हुये चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते बढ़ी नदियों में अभी तक बाढ़ हालात बनते हुये नही देखे जा रहे है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में छोटी नदियों व नालों में जरूर बाढ़ की स्थिति निर्मित होने के चलते ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। बताया जाता है कि लगातार हो रही बारिश के चलते ग्राम भौरझिर से करेली की ओर जाने वाले मार्ग सुखचैन नदी के पुल के ऊपर पानी होने के चलते यहां का यातायात प्रभावित हो गई है। वही दूसरी ओर ग्राम भौरझिर से खुलरी की ओर जाने वाले मार्ग पर ग्राम मुडिया के पास से निकला हुआ नाला भी पुल के ऊपर से पानी होने के कारण ग्राम भौरझिर, घघरौला पटना, सूरना, हरि नगर, भूमिया ढाना, पिठहरा, घघरौला खुर्द के लोगों का शहरों से संपर्क टूट चुका है। इस तरह आधा दर्जन गांव के लोग जहां न तो करेली पहुंच पा रहे है और न ही खुलरी सिहोरा जा पा रहे है। ज्ञात हो कि इन गांवों के अनेक छात्र छात्राये जहां पढ़ाई करने के लिये खुलरी सिहोरा जाते है। मगर बने हुये बाढ़ के हालों के चलते वह शुक्रवार को स्कूल जाने से बंचित देखे गये। क्योकि यह छोटे नदी नाले खेतों के पानी पर आधारित रहते है। जब क्षेत्र में तेज बारिश का दौर चलता है तो पुल के ऊपर पानी होने से नही चूकता है। इसी प्रकार की स्थिति इस समय बीते हुये तीन चार दिन से लगातार हो रही बारिश के चलते बनते हुये देखी जा रही है।

गणित विषय के माध्यमिक शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शुक्रवार से राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार शासकीय शालाओं की कक्षा 6 से 8 मे गणित विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण साईंखेड़ा के सरस्वती उमा विद्यालय मे प्रारम्भ हुआ। बताया जाता है कि इस प्रशिक्षण का विधिवत शुभारंभ शिक्षकों आरती सोनी एवं कविता राजपूत द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र मे पंजीयन एवं सामग्री वितरण के साथ शिक्षकों ने सार्थक एप्प से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की एवं प्री टेस्ट किया गया। वही प्रशिक्षण मे साईंखेड़ा ब्लॉक की सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे ने कहा कि गणित विषय विद्यार्थियों को कठिन लगता है। मगर इसकी शिक्षा सरल तरीके से एवं खेल खेल मे बच्चों को मिले यही प्रशिक्षण का उद्देश्य है। इसी प्रकार से बीआरसी संदीप स्थापक ने कहा कि प्रशिक्षण से हमेशा सीखने को मिलता है जिसके चलते अपेक्षा है कि सभी शिक्षक सक्रिय रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करें। प्रशिक्षण मे मास्टर ट्रेनर प्रशांत पटैल एवं राजेंद्र गुप्ता ने प्रशिक्षण के उद्देश्य, मेरी गणित की कक्षा वास्तविक एवं सपना, एक रोचक शुरुआत के विषय मे बताते हुये उन्होंने गणित शिक्षण के उद्देश्य, पेडागाजी, सीखने के प्रतिफल एवं स्तिथि तथा पहले दिन का समेकन एवं खुला सत्र मे शिक्षकों से संवाद कर उनके विचार जाने। वही प्रशिक्षण के आयोजन मे बीएसी मनीराम मेहरा, पवन राजोरिया, एमआईएस वेद प्रकाश राजपूत, सीएसी अपसार खान, आजाद कौरव, दीपक स्थापक, अवधेश पटैल, बनवारी लाल नागवंशी, प्रदीप मालवीय, राजा कहार सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। आज शनिवार को प्रशिक्षण का समापन होगा।

खबर संक्षेप

मजदूर कांग्रेस के डीके स्वाइन जोनल अध्यक्ष निर्वाचित, पितांबर लक्ष्मीनारायण पुनः बने महामंत्री

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नागपुर में 2 व 3 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय द्विवार्षिक अधिवेशन में रेल कर्मचारियों के हितों के लिए कई प्रस्ताव पारित किया गया, साथ ही अधिवेशन में 24 केन्द्रीय पदाधिकारी भी चूने गए जोनल अध्यक्ष डी के स्वाइन व महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण निर्वाचित हुए, जोनल अध्यक्ष डी के स्वाइन पूर्व जोनल अध्यक्ष तपन चटर्जी के इस्तीफे से खाली पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए, नवनिर्वाचित जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव व मीडिया प्रभारी गोपी राव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नागपुर में रेलवे मजदूर कांग्रेस के इस अधिवेशन में बिलासपुर, नागपुर, रायपुर के डेलीगेट, जनरल काउंसिल मेंबर, केन्द्रीय पदाधिकारी शामिल हुए, प्रथम दिवस 02 जुलाई को खुला अधिवेशन में मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी बिलासपुर आदित्य कुमार, विशिष्ट अतिथि मंडल रेल प्रबंधक नागपुर दीपक कुमार गुप्ता, सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ मुंबई के अध्यक्ष प्रवीण बाजपेई, वेस्ट सेंट्रल रेलवे संघ के महामंत्री अशोक शर्मा की उपस्थिति रहे सभा को सभी अतिथियों ने संबोधित किया। 03 जुलाई द्वितीय सत्र सम्मेलन में रेल कर्मचारियों के हित में प्रमुख प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें प्रमुख प्रस्ताव ओल्ड पेंशन स्कीम पेंशन की बहाली वर्तमान युपीएस के प्रस्ताव को ना मंजूर करना, सेफ्टी से जुड़े रेलवे के खाली पदों को तत्काल भरना, सभी प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल में वीआईपी रेस्ट हाउस में कर्मचारियों को बुक करने का अधिकार दिलाना, अनुकंपा नियुक्ति में मृत कर्मचारी की विधवा को बिना परिक्षा लिए योग्यता के आधार पर ग्रुप सी में नियुक्त करना, निजीकरण पर रोक जैसे प्रस्ताव पारित किया गया। द्विवार्षिक अधिवेशन में केन्द्रीय पदाधिकारी रुप में रुप में निर्वाचित पदाधिकारी जिसमें जोनल अध्यक्ष डी के स्वाइन, जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार धल, संयुक्त महामंत्री विजय अग्निहोत्री, बी कृष्ण कुमार, डी विजय कुमार, इंदल दमाहे, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोबरागड़े, जी एस आइच, डी डी महेश, शुभम उपाध्याय, राजेश सोनकर, केन्द्रीय कोषाध्यक्ष युवा साई किरण निर्वाचित हुए।

रोड में पानी व कीचड़ से आवागमन कठिन

बरही। ग्राम पंचायत करेला के वार्ड क्रमांक 4 की रोड में चलना मुश्किल है रोड कीचड़ से सनी हुई है पानी भरा रहता है। स्कूली बच्चों को निकलने में बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। कपड़े खराब होते हैं। पंचायत के जिम्मेदार व उपयंत्री यह रोड को कई बार बनवाने के लिए नाप चुके हैं पर स्थित ज्यों की त्यों है आज तक काम चालू नहीं हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है रोड 1 वर्ष से खराब पड़ी है। 181 में भी शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। क कोई जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग कर रहे हैं की रोड बनवाई जायें।

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीयन शुरू

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर स्कूल शिक्षा विभाग, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 1 अगस्त से शुरू होने वाले जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ हो चुका है। पंजीयन की अंतिम तिथि 18 जुलाई है। इस क्विज का आयोजन सभी शासकीय, अशासकीय, केन्द्रीय एवं नवोदय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक विद्यार्थियों को प्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्परा, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधता, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूष एवं पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रत्येक स्कूल की टीम में तीन विद्यार्थी शामिल होंगे।

---

3 चेक डैम, 2 पुराने तालाब और 1 नाले के बावजूद क्यों बना नया तालाब

श्मशान और घरों में घुसा पानी, सीईओ की रिजेक्ट साइट पर बना तालाब!

शहपुरा। डिंडोरी जिले के शहपुरा जनपद अंतर्गत कंचनपुर गांव में मुख्यमंत्री जल संवर्धन योजना के नाम पर ऐसा विकास हुआ जिसने गांव के घरों, खेतों और यहां तक कि श्मशान भूमि को भी जलमग्न कर दिया। तालाब किसी खाली जमीन पर नहीं बल्कि श्मशान भूमि और रहवासी इलाकों के बीच खुदवाया गया। नतीजा ये कि बारिश के बाद लोगों की रसोई बैठक और खेत तक पानी से लबालब हो गए। अंतिम संस्कार की जगह पर पानी गांव वालों की पीड़ा बन गया है।

सीईओ ने रिजेक्ट की थी साइट फिर भी बना तालाब!

इस योजना को लेकर सीधा सवाल जिला प्रशासन और जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है। सीईओ स्तर पर साइट को पहले ही खारिज किया गया था बावजूद इसके उपयंत्री और एसडीओ ने ठेकेदार के साथ मिलकर तालाब खुदवाया।

क्या ये जल संरक्षण का मॉडल है या सरकारी धन के गबन की कहानी

तालाब बनाने की ये जिद क्या थी,गांव में पहले से 3 चेक डैम, 2 पुराने तालाब और एक नाला पहले ही मौजूद था तो क्या इस नए तालाब के पीछे कोई साजिश थीघ। क्या ये ठेकेदारों और अफसरों की मिलभगत का नया मॉडल है। क्या जल स्तर सर्वे की खानापूर्ति कर सरकारी धन का गबन किया गया। इस बात को लेकर आसपास के ग्रामीण अंचलों में भारी रोष है।

लगातार बारिश ने शहपुरा की सड़कों को बनाया तालाब, नगर परिषद की लापरवाही से जनता बेहाल

डिंडोरी, शहपुरा। मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले के शहपुरा नगर परिषद क्षेत्र में बीते 24 घंटों से जारी मूसलधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त.व्यस्त कर दिया है। शहपुरा.उमरिया मुख्य मार्ग एक बार फिर जलमग्न हो गया है जिससे आवागमन ठप पड़ गया है। यही नहीं नगर के कई वार्डों बाजार क्षेत्रों और रिहायशी इलाकों में पानी इस कदर भर गया है कि लोगों के घरों और दुकानों में घुटनों तक पानी पहुंच चुका है।

स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों का कहना है कि नगर परिषद को कई बार ज्ञापन सौंपकर जल निकासी व्यवस्था सुधारने की मांग की गई लेकिन हर बार आश्वासन ही मिला। अब हालत यह है कि बारिश होते ही शहर डूबने लगता है और प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है।

बाजारों में भारी नुकसान, दुकानों में पानी

शहपुरा का मुख्य बाजारए गांधी चौकए स्टेशन रोड और आसपास के व्यापारिक क्षेत्रों में बारिश का पानी दुकानों के अंदर घुस चुका है। कई दुकानदारों ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्सए कपड़ा और किराना जैसे व्यापारों में हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। स्थानीय दुकानदार ने बताया‌ए षहर साल यही हाल होता है। नगर परिषद सिर्फ टैक्स लेने आती हैए बाकी सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं मिलता। हमने अपनी दुकानें खुद ही ईंट.पत्थर से ऊंची कर रखी हैंए लेकिन पानी का बहाव इतना तेज है कि कोई इंतजाम कारगर नहीं होता।

रिहायशी इलाकों में लोग घरों में कैद

नगर के वार्ड के कई घरों के अंदर बारिश का पानी भर चुका है। महिलाओं और बच्चों को घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। कई जगह लोगों ने बर्तन और बाल्टी से अपने घरों से पानी निकालने की कोशिश कीए लेकिन लगातार बारिश के चलते राहत के कोई आसार नहीं दिख रहे।

जल निकासी व्यवस्था फेल

शहर की नालियों की सफाई मानसून से पहले नहीं की गईए जिसका खामियाजा अब पूरे शहर को भुगतना पड़ रहा है। गंदगी और प्लास्टिक से जाम नालियां अब पानी को बाहर निकालने में असमर्थ हैं। जल निकासी की ठोस योजना न होने के कारण बारिश का पानी सड़कों और गलियों में जमा हो रहा है।

नगर परिषद पर गंभीर आरोप

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। युवा समाजसेवी आदित्य दुबे ने कहाए ष्शहपुरा की स्थिति वर्षों से ऐसी ही है। हर बार चुनावों में वादे होते हैं लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं दिखता। यह केवल लापरवाही नहींए बल्कि प्रशासनिक असंवेदनशीलता का प्रतीक है।

प्रशासन की चुप्पी, कोई राहत कार्य शुरू नहीं

अब तक न तो नगर परिषद की ओर से कोई राहत शिविर लगाया गया है और न ही पंप मशीनें लगाकर जल निकासी शुरू की गई है। ऐसे में स्थानीय लोगों को खुद ही राहत के उपाय करने पड़ रहे हैं। जनता ने मांग की है कि तत्काल राहत दल गठित किया जाए और प्रभावित क्षेत्रों में पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जनता की मांग हो स्थायी समाधान

स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि शहपुरा की जल निकासी व्यवस्था को लेकर मास्टर प्लान तैयार किया जाए। साथ ही जिन क्षेत्रों में लगातार जलभराव होता हैए वहाँ विशेष ध्यान देते हुए स्थायी समाधान किया जाए ताकि हर साल बरसात में नगर जलमग्न न हो।

झमाझम बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त, नदियों में उफान, कई मार्ग और गांवों का संपर्क टूटा

नगर के कई वार्डो में जल भराव की स्थिति

डिंडौरी। जिले में गुरुवार दोपहर से जारी तेज बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। लगातार हो रही झमाझम बारिश के कारण नदियों और नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। नर्मदाए खरमेरए सिवनीए कनईए चकरार और रोरा नदियों में उफान आने से कई मार्ग बंद हो गए हैं और दर्जनों गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है।

खरमेर नदी में बाढ़ के कारण डिंडौरी.अमरपुर और डिंडौरी.मंडला मार्ग पूरी तरह बाधित हो गए हैं। वहींए कनई नदी में पानी पुल के ऊपर बहने से डिंडौरी.जबलपुर मार्ग पर भी आवागमन बंद रहा। अमरपुर पुलिस बल मौके पर तैनात है और मंडला मार्ग पर बैरिकेड लगाकर लोगों को सावधान किया जा रहा है। करंजिया विकासखंड के गोपालपुर क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा के कारण सिवनी नदी में बाढ़ आ गई हैए जिससे लगभग दो दर्जन गांवों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। इसी तरह चकरार नदी के उफान में बजाग.बिजौरा मार्ग बंद हो गया है और मुडकी गांव के पास रोरा नाले में बाढ़ के कारण नेवसा.शहडोल मार्ग भी प्रभावित हुआ है।

डिंडौरी नगर के कई वार्डों में जलभराव की गंभीर स्थिति है। वार्ड क्रमांक 2ए 4 और 5 में नालियों का गंदा पानी घरों में घुस गयाए जिससे गृहस्थी का सामान बर्बाद हो गया। जिला अस्पताल परिसर में भी एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गयाए जिससे मरीजों और स्टाफ को भारी परेशानियों का सामनाकरना पड़ा।प्रभावित लोगों के लिए पुराने नगर परिषद भवन में अस्थाई रूप से ठहरने और भोजन की व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने नर्मदा घाटों पर होमगार्ड की तैनाती कर दी है और लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और भारी बारिश की संभावना जताई है। स्कूलों में समय से पहले छुट्टी दे दी गई हैए वहीं कार्यालयों में उपस्थिति भी काफी कम देखी गई।

भारी बारिश के चलते जिले में स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश, शिक्षक एवं कार्यकर्ता रहेंगे उपस्थित

अवकाश

डिंडोरी।जिले में जारी भारी बारिश और संभावित जलभराव की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन को लेकर दो अलग.अलग आदेश जारी किए हैं।

प्रशासन के पहले आदेश के अनुसारए जिले के सभी शासकीयए अशासकीयए अनुदान प्राप्तए सीबीएसईए नवोदय एवं केंद्रीय बोर्ड से मान्यता प्राप्त प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी स्तर तक के समस्त स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 4 और 5 जुलाई 2025 को दो दिनों का अवकाश घोषित किया गया है। हालांकिए विद्यालयों के समस्त शिक्षकगण एवं अन्य स्टाफ को इस अवधि में विद्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना होगा।

वहींए दूसरे आदेश के अंतर्गतए जिले के समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में लाभान्वित बच्चों के लिए 5 जुलाई 2025 को एक दिवसीय अवकाश रहेगा। लेकिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं पूर्ववत केंद्र में उपस्थित रहकर आंतरिक गतिविधियों का संचालन करेंगी। प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि भारी वर्षा के मद्देनजर सतर्क रहेंए अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें और सभी आवश्यक सावधानियां अपनाएं। ये निर्णय बच्चों की सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए लिए

ठेकेदार की लापरवाही बनी जल संकट का कारण, अधूरी नाली से घर व दुकानों में घुसा पानी, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

डिंडौरी। डिंडौरी अमरकंटक रोड पर निर्माणाधीन टू.लेन हाईवे में ठेकेदार की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम महावीर टोला में सड़क किनारे अधूरी छोड़ी गई पक्की नाली ने भारी बारिश के बाद कहर बरपाया। गुरुवार रात से जारी बारिश के चलते नाली का गंदा पानी तीन ग्रामीणों के घर और दुकानों में भर गया। जिससे ग्रामीणों का घरेलू सामान पूरी तरह भीग गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाली निर्माण अधूरा छोड़ने के कारण पानी की निकासी संभव नहीं हो पाईए जिससे यह पानी घरों और दुकानों में घुस गया। पीड़ित परिवारों के अनाज] कपड़े, बिस्तर किराना सामग्री आदि पूरी तरह नष्ट हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे डिंडौरी.अमरकंटक मार्ग पर चक्काजाम कर दिया जिससे लगभग तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। जाम के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। जैसे ही प्रशासन को चक्काजाम की सूचना मिलीए तहसीलदार मार्को और कोतवाली पुलिस बल मौके पर पहुंचे। काफी समझाइश के बावजूद ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे और तत्काल समाधान की मांग की। इसके बाद मौके पर जेसीबी बुलाकर अस्थायी रूप से पानी की निकासी कराई गई तथा तहसीलदार ने ग्रामीणों को लिखित आश्वासन दिया कि शीघ्र ही पाइप डालकर स्थायी समाधान किया जाएगा।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि उन्होंने पूर्व में कलेक्ट्रेट कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन जिम्मेदारों द्वारा समस्या की अनदेखी की गई। शुक्रवार को हुई इस बारिश ने प्रशासन और ठेकेदार की लापरवाही की पोल खोल दी है। तहसीलदार आरपीण मार्को ने बताया कि ठेकेदार को पाइप लगाकर पानी निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिन परिवारों को नुकसान हुआ है उन्हें नियमानुसार आर्थिक सहायता देने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

14

जबलपुर, शनिवार 5 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

महिला ने अज्ञात कारणों से खाया जहर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस महिला द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अल्का बाई पति रामकुमार पाठक उम्र 55 वर्ष निवासी प्रताप नगर द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु लाया गया जहां पर महिला का उपचार जारी है।

फांसी लगाकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस व्यक्ति द्वारा अपने ही खेत मे जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राजू धानक पिता फूलसिंह धानक उम्र 48 वर्ष निवासी घुरपुर थाना कोतवाली द्वारा अपने खेत पर काम करने के लिए गया हुआ था परिजनों जब खेत पहुंचे तो राजू को फांसी के फंदे पर लटका पाया जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग प्रकरण तैयार कर शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस द्वारा आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की कोशिश मे जुटी हुई है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस राजमार्ग के पास हुई सड़क दुर्घटना में युवक की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार साकेत पिता शंकर सोंधिया उम्र 27 वर्ष निवासी नरसिंह वार्ड थाना कोतवाली नरसिंहपुर राजमार्ग के पास हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

झमाझम बारिश फसलों को नहीं मिल पा रही बतर

तेंदूखेड़ा। इन दिनों लगातार हो रही रुक-रुककर बारिश के चलते आम जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है। वहीं खरीफ फसलों को उचित माहौल ना मिलने के कारण फसलें बर्बाद होने की स्थिति बनी हुई है। हमारे प्रतिनिधि को कृषकों ने बताया कि सोयाबीन अरहर धान की बोनी होने के बाद से बारिश शांत ना होने की स्थिति में बीज सढने की स्थिति में आते जा रहे हैं। तथा फसल भी ग्रोथ नहीं कर पा रही है। साथ ही मक्का की फसल अधिक होने की स्थिति में ना तो स्प्रे हो पा रहा है। और ना ही खाद डल पा रहा है। किसानों को उम्मीद थी कि एक दो दिन बरसात होने के बाद रुक जायेगी लेकिन अनवरत बारिश के कारण फसलों को नुकसान होने की अशंका बनीं हुई है।

मृत्यु के बाद किसी को जीवन का उपहार देना सिर्फ दान नहीं, अमरता हैः यादव

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देहदान या अंगदान करने वालों के परिजन को राज्य सरकार 26 जनवरी एवं 15 अगस्त के कार्यक्रमों में सम्मानित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मृत्यु के बाद किसी को जीवन का उपहार देना सिर्फ दान नहीं, बल्कि यह अमरत्व प्रदान करने जैसा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि देहदान अथवा हृदय, लीवर व गुर्दा दान (डोनेट) करने वाले देहदानियों/अंगदानियों के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।

मेधावी विद्यार्थी के खाते में अंतरित की गई राशि

जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस स्थानीय असेंबली हॉल में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश शासन शिक्षा विभाग की अभिनव योजना मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदाय योजना के अंतर्गत जिले के 3046 छात्र - छात्राओं को लैपटॉप वितरण किया जाना था। मुख्य कार्यक्रम भोपाल में आयोजित हुआ जिसमें मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के 94,234 छात्र छात्राओं के खाते में लैपटॉप की राशि का सीधे वन क्लिक से अंतरण किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया जिसे उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के असेंबली हॉल में छात्र छात्राओं को एल सी डी के माध्यम से दिखाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन से हुआ।

देखा व सुना गया लाइव प्रसारण कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों के स्वागत उपरांत भोपाल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का प्रसारण भी देखा व सुना गया। अतिथियों और छात्र - छात्राओं ने प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। मुख्य कार्यक्रम के उपरांत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिले के 15 छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर अतिथि गणों द्वारा सम्मानित किया गया। लैपटॉप की राशि 25000 उनके खाते में सीधे स्थानांतरित की गई। जिला शिक्षाधिकारी एम एस खान ने जिले का परीक्षा परिणाम और लैपटॉप हेतु पात्र विद्यार्थियों के आंकड़े सहित प्रतिवेदन अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

प्रदेश मे रहा जिले को श्रेष्ठ परिणाम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा मेधावी छात्र - छात्राओं को बधाई देते हुए लैपटॉप पाने वाले सभी विद्यार्थियों को जीवन में सफलता का मूलमंत्र दिया। साथ ही प्रदेश में जिले के श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम के लिए कलेक्टर और शिक्षा विभाग को बधाई दी। तत्पश्चात विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों से परिचित कराया और नई नीति का लाभ लेकर अपने भविष्य निर्माण हेतु प्रेरित किया। श्रीमती अनीता राजेंद्र ठाकुर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को विद्यार्थी जीवन के पांच मूल सिद्धांतों कागचेष्टा, बकोध्यानं, श्वाननिद्रा, अल्पाहारी, गृहत्यागी का पालन करके विद्यार्जन करने का संदेश दिया। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है, एक लक्ष्य निर्धारित करके उसकी प्राप्ति पर्यंत तक अपनी पूर्ण समर्थ से कोशिश करनी चाहिए।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से डॉ आर पी चतुर्वेदी जिला परियोजना समन्वयक ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग दिया। अंत में उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य जी एस पटेल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथिगणों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को जीवन और व्यक्तित्व निर्माण हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक डॉ. अशोक कुमार उदेनिया ने किया। इस प्रकार संस्था के सभी स्टाफ के सहयोग से छात्र हितैषी प्रेरक कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके उपरांत सभी अतिथियों ने परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरणीय परिवेश में सुधार का संकल्प लिया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़ीया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में जालम सिंह पटेल पूर्व राज्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन, श्रीमती अनीता राजेंद्र ठाकुर उपाध्यक्ष जिला पंचायत, अजीत सिंह ठाकुर उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर, श्रीमती शीतला पटले कलेक्टर नरसिंहपुर की गरिमामय उपस्थिति रही।

संध्या हत्याकांड के मामले में अधिवक्ताओं द्वारा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बीते दिना जिला चिकित्सालय में हुई छात्रा की हत्या को लेकर जिले वासियों मे रोष व्याप्त है उक्त घटना को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया था वही इसी क्रम में अधिवक्ताओं द्वारा ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई। जिला अस्पताल में हुई छात्रा संध्या चौधरी हत्याकांड में मौका घटना स्थल अस्पताल के उपस्थित डॉक्टर एवं अस्पताल चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मियों के निलंबन की मांग, सहित अस्पताल में सुरक्षा एजेंसी का ठेका निरस्त की मांग को लेकर मुख्यमंत्री म. प्र. एवं राज्यपाल म.प्र. शासन को ज्ञापन जिला अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन की प्रमुख मांग जिसमें पीड़ित परिवार को अति शीघ्र एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता एवं परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान की जाए । संध्या हत्याकांड मामले को फास्ट ट्रैक न्यायालय में चलाया जाए एवं इस मामले में शासन की तरफ से विशेष कुशल अधिवक्ताओं का पैनल अति शीघ्र नियुक्त किया जाए ताकि आरोपी को फांसी की सजा सुनिश्चित की जा सके। जिला अस्पताल परिसर सहित न्यायालय परिसर में अति शीघ्र पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की जाए। ज्ञापन में प्रमुख रूप से अधिवक्ता नवीन कुमार सोनी, राम सेवक धाकड़ एड., जिला अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष विवेक नेमा एड., अजय कुमार साहू एड., श्रीमती लक्ष्मी नायक एड., श्रीमती दमयंती जाटव एड, प्रेमचंद शाक्य एड, राजेश श्रीवास्तव एड, अजय शंकर पाल एड, सुंदरलाल चैधरी एड, श्रीमती उमा चंदोलिया एड, अनीता पटेल एड, ज्योति प्रजापति एड, प्रियंका लोधी एड के.के.साहू एड, अरविंद सोनी एड, के. के. विश्वकर्मा एड, जगदीश यादव एड, लाल साहब पटेल एड. जयशंकर पाल एड, अनंत गुप्ता एड, सचिव सुलभ जैन एड, सुधीर चंदनिया एड, दशरथ राजा एड, मधु पटेल एड, लखन सोनी एड, सुधीर चंदनिया एड, पारस पाल एड, रंजीत पटेल एड, लीलांबर पटेल एड, अजय सिंह राठौर एड, भोपत सिंह पटेल एड, नीलेश डेहरिया एड, सहित एस. सी. एवं पिछड़ा वर्ग के अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही।

जुआं फड़ पर छापा, 15 जुआरी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बीती रात थाना क्षेत्र स्टेशगंज पुलिस द्वारा जुंआ फड़ पर छापामार कार्रवाई की गई। जिसमें पुलिस ने 15 आरोपी सहित 25260 रूपए की जब्ती की गई। पुलिस द्वारा जिले में जुआ - सट्टा जैसे अवैध कारोबार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने हेतु अवैध कारोबारियों की धरपकड एवं अपराध एवं अपराधियों पर पूर्णतः नियंत्रण हेतु जिले के सभी थाना क्षेत्रों में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत जुआ- सट्टा के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों की धरपकड की जा रही है। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम खुरपा में सुन्दर राय के मकान के पास कुछ लोग जुआरी ताश पत्तों पर रूपयों की हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं, सूचना पर योजनाबद्ध तरीके से रेड करवाते हुए 15 जुआडियो को जुआ खेलते हुये रंगे हाथ पकडते हुये 25 हजार 260 रूपये जप्त किये गये। उक्त कार्रवाई में सुन्दरलाल राय, धीरेन्द्र मालवीय, अरविंद पटेल, महेन्द्र पुरी गोस्वामी, किट्टू काछी, दिनेश पटेल, घनश्याम विश्वकर्मा, छोटेलाल पटेल, शब्बीर खान, राकेश राय, दयाराम चैधरी, मुकेश पटेल, आशीष राय, रामदयाल ठाकुर एवं नरेन्द्र कुशवाह बताये, जुआरियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्तों की 2 गड्डियां एवं 25 हजार 260 रूपये जप्त करते हुये जुआरियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 560/2025 धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी, स्टेशनगंज, निरीक्षक रत्नाकर हिग्वें, उप निरीक्षक विजय द्विवेदी, प्रधान आरक्षक आशीष मिश्रा, आरक्षक संजय पांडे, दिनेश पटेल, योगेन्द्र, अंकित, राकेश झा, जितेन्द्र राणा एवं सैनिक अवधेश जाट की सराहनीय भूमिका रही।

महाराज श्री का हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गिवत दिवस श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर द्वारका शारदा पीठाधीश्वर, जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती का आगमन हुआ। श्रद्धालुओं ने पादुका पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। शंकराचार्य जी महाराज परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर पहुंच गए हैं। यहां 10 जुलाई से 7 सितंबर 2025 तक चातुर्मास व्रत कथा अनुष्ठान होगा। दो माह के इस आयोजन में प्रतिदिन धर्मकथा, प्रवचन और वेदांत सत्संग होंगे। देश-विदेश से शिष्य, भक्तगण और साधु-संत इस आयोजन में शामिल होंगे। आयोजन समिति श्रद्धालुओं के लिए भंडारा, प्रसादी, आवास और परिवहन की व्यवस्था कर रही है। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के कथा स्थल पर पहुंचने की संभावना है। परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर में ब्रह्मलीन स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की तपोस्थली पर होने वाला यह आयोजन पूरे क्षेत्र को धार्मिक वातावरण प्रदान करेगा। श्रद्धालु यहां अध्यात्म और सत्संग का लाभ ले सकेंगे।

मनुष्य अपने जीवन में सब कुछ नहीं कर सकता प्राप्तः मुनिश्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मानव के जीवन में तीन चीजें एक साथ नहीं होती हैं समय, समझ ओर शक्ति ये तीनों चीजें कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में एक साथ जुटा नहीं पाता। किसी के पास जब समय होता है, शक्ति होती है तो तब समझ नहीं होती, जब व्यक्ति के पास समझ होती है ओर शक्ति होती है। लेकिन समय नही होता। जब व्यक्ति के पास समय है समझ है तो उसके पास शक्ति नहीं होती है। उक्ताशय के विचार मुनि निर्दोष सागर महाराज ने कंदेली स्थित जैन मंदिर जी में आर्शीवचन में कहे। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था मनुष्य पर्याय में होती है, जब बाल अवस्था में बच्चों के पास समय ओर शक्ति होती है पर समझ नहीं होती। खाओ पियों बडा आनंद बिल चुकाये बडा नंद समय का सिर गंजा होता है समय को कोई भी नहीं पकड पाया है घड़ी हमेशा टिक-टिक करती है। वह कहती है टिको, संसार की प्रत्येक वस्तु दौड कर पाना होता है। लेकिन आत्म तत्व को पकडने के लिये स्थिर होना पडता है यदि आप अपना हित चाहते है। तो मन को स्थिर रखिये, घडी के सेकण्ड के कांटे की तरह, बंदर की तरह उछल-कूद मन करता रहता है, मन से बुरी बातें निकाल कर हमेशा अच्छा सोचो, मन हमारा है पर सोचता पराये के बारे में, कभी अपने बारे में नहीं सोचता, दुनिया हमेशा दुखी है दूसरे के विषय में सोचने में, जग के पदार्थो का परिणमन स्वतरूका है ये आप की इच्छा के अनुसार परिणमन नहीं करते हैं। कौन चाहता है कि बाल सपेद हो, चेहरे पर झुर्रियां हो, बुढापा आये इन स्थितियों को कोई नहीं रोक पाया। जब आप अपने शरीर को इच्छा के अनुकूल नहीं परिणमते, तो दुनिया के लोगों को अपने मन के अनुरूप नहीं परिणमाने से दुखी है आप अपने दुख के कारण दुखी नहीं है। दूसरों के सुख के कारण दुखी हैं मन अपना है सोच परायी है एकबार एक व्यक्ति से किसी ने कहा आप इतने उदास हो उसने कहाकि मन में बहुत विकल्प हैं, चिंता है कि गधा अंगूर खा रहा है तो पूछा कि अंगूर का खेत आपका है नहीं है गधा आपका है नहीं है चिंता इस बात है गधा घास खाने वाला है पर आज अंगूर खा रहा है भगवान उसको आज अंगूर खाने का मौका दिया है। आप दुखी क्यों हो। रितुओं के अनुसार मन बदलता रहता है यदि आंख वाला लालटेन लेकर कुयें गिर जाये तो ताली बजाओं या रोयगें।

प्रसूति महिलाओं को हमेशा करना पड़ता है रिफर, नहीं है महिला विशेषज्ञ डॉक्टर

तेंदूखेड़ा

एक तरफ जहां महिला सशक्तिकरण से लेकर शासन द्वारा महिलाओं के हितों को लेकर लाडली बहिना योजना चलाकर प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लाडली बहिनें प्रसूति के समय जीवन और मृत्यु के बीच किस तरह से संघर्ष करतीं हैं उनके उपचार हेतु महिला विशेषज्ञ डाक्टर ना होने की स्थिति में गंभीर स्थिति वाली महिलाओं को तत्काल प्रभाव से जिला चिकित्सालय भेजना पड़ता है। त्वरित इलाज के अभाव में महिलाओं को कितना संघर्ष करना पड़ता है। पीड़ितों के परिवार ही बता सकतें हैं। वर्तमान में यहां पर पदस्थ महिला स्टाफ नर्सों और ठेकेदार व्यवस्था के तहत लगी दाई के माध्यम से ही काम चलाना पड़ता है।जो दिन रात सेवाओं में संलग्न देखी जाती है।

पड़ोसी जिलों की भी आती है प्रसूतिकायें

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में औसतन साठ से सत्तर डिलेवरी यहां पर हुआ करती है। जिसमें सागर रायसेन जिले के आदिवासी बाहुल्य ग्रामों के लोग भी मुख्य रुप से सुविधा की दृष्टि से यहां पर आते हैं। लेकिन परेशानी जब बढ़ जाती है तब कोई महिला लाते समय गंभीर स्थिति में पहुंच जाती है। ऐसे समय में महिला विशेषज्ञ डाक्टर की नितांत आवश्यकता होती है। त्वरित फिर उसे ऐम्वुलेंस बाहन सेवा से फिर साठ किलोमीटर दूर नरसिंहपुर भेजना पड़ता है। कभी कभार तो ऐम्वुलेंस बाहन सेवा आस पास हुआ करती है तो मिल जाया करती है नहीं तो काल करके उसे बुलाने से लेकर पहुंचने तक घंटों लग जाते हैं ऐसी स्थिति में प्रसूतिकाओं की गंभीर स्थिति बन जाती है। असली समस्या तो उन पीड़ित परिवारों की बनतीं है जो केवल आशा विश्वास के साथ छोटे छोटे बच्चों को साथ लेकर चले आते हैं। गंभीर स्थिति में महिलाओं को उठानें लिटाने तक में अस्पताल कर्मियों को ही परेशान होना पड़ता है।

महिला विशेषज्ञ की नहीं हो सकी व्यवस्था

सोचनीय विषय तो यह बना हुआ है कि अस्सी हजार से अधिक महिलाओं के बीच एक भी महिला विशेषज्ञ डाक्टर नहीं है और यह व्यवस्था चालीस से साठ किलोमीटर के बीच कहीं भी नहीं है। महिलाओं को जबलपुर भोपाल नागपुर के अलावा नरसिंहपुर जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। यहां तक की सोनोग्राफी करवाने के लिए भी नरसिंहपुर या अन्य जगह आना जाना पड़ता है। पिछले कई दशकों से यहां पर महिला विशेषज्ञ चिकित्सक की मांग चली आ रही है लेकिन इस व्यवस्था पर आज तक ध्यान नहीं दिया गया। महिलाओं ने हमारे प्रतिनिधि को बताया है कि तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला विशेषज्ञ डाक्टर की शीघ्र सुविधा उपलब्ध कराई जाये।

रोड पर गिरा पेड़ आवागमन बाधित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस बारिश के कारण जिला मुख्यालय से गोटेगांव जाने वाले रास्ते मे दादा महाराज पास पीपल का पेड़ रोड पर गिर गया जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया जिस कारण से लोगों को आवागमन मे काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पेड़ गिरने की जानकारी प्रशासन को दी गई और पेड़ को हटाने कार्य प्रारंभ किया गया।